# मेवाड़ यूनिवर्सिटी एवं कृषि अनुसंधान परिषद के मध्य एमओयू

गंगरार, 7 मार्च (नसं.)। मेवाड़ विश्व विद्यालय एवं इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सोइल साइंस, भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान भोपाल के मध्य एमओयू साइन किया गया है।

विश्व विद्यालय एवं इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सोइल साइंस भोपाल के मध्य एमओयू साइन किया गया। इसके तहत एमएससी एग्रीकल्चर, बॉयोटेक्नोलॉजी, एनवायर्नमेंटल साइंस एवं पीएचडी के छात्रों को सोइल साइंस, सोइल माइक्रोबायोलॉजी, प्लांट फिजियोलॉजी, रिमोट सेंसिंग, अग्रोनोमी, सोशल साइंस एवं एग्रीकल्चर से सम्बंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इनकी सहायता से पाठ्यक्रमों की रोजगारन्मुखी विशेषता को बढ़ावा मिलेगा।

विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट निदेशक हरिश गुरनानी ने बताया कि देश की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा कृषि पर निर्भर करता है एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पिछले कुछ वर्षों की तुलना में युवाओं का कृषि में रुझान बढ़ता हुआ देखने को मिल रहा है, ऐसे में आवश्यक है कि विद्यार्थियों में प्रायोगिक ज्ञान को सुनिश्चित किया जाए ताकि छात्रों के रुझान को सही मार्गदर्शन मिल सके।

इसी के चलते इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सोइल साइंस भोपाल एवं विश्वविद्यालय के मध्य एमओयू साइन किया गया ताकि उक्त पाठ्यक्रम के छात्रों को बेहतर प्रशिक्षण प्राप्त हो सके। उन्होंने बताया कि उक्त एमओयू के तहत आईसीएआर के वैज्ञानिकों को समय-समय पर विश्वविद्यालय आमंत्रित कर कृषि में हो रहे नवाचार पर व्याख्यानों का आयोजन किया जायेगा। जिससे क्षेत्रीय कृषक, विश्वविद्यालय के कृषि संकाय छात्र एवं प्राध्यापक भी लाभान्वित हो सकेंगे। Jannayak: 08-03-2020

# मेवाड़ विश्वविद्यालय एवं आईसीएआर के मध्य एमओयू साइन

गंगरार। मेवाड़ विश्वविद्यालय एवं आई.सी.ए.आर- (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद) भोपाल के मध्य एम.ओ.यू. साइन करते हुए।

**गंगरार।** मेवाड़ विश्वविद्यालय गंगरार एवं आई.सी.ए.आर- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सोइल साइंस (भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान) भोपाल के मध्य एम.ओ.यू. (मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) साइन किया गया है। आई.आई.एस.एस.देश में मृदा पर बुनियादी और रणनीतिक अनुसंधान में नेतृत्व के रूप में उभरा हैं, एम.ओ.यू. तहत एम.एस. सी. एग्रीकल्चर, बॉयोटेक्नोलॉजी, एनवायर्नमेंटल साइंस एवं पी.एच. डी. के छात्रों को सोइल साइंस, सोइल माइक्रोबायोलॉजी, प्लांट फिजियोलॉजी, रिमोट सेंसिंग, अग्रोनोमी, सोशल साइंस एवं एग्रीकल्चर से सम्बंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट निदेशक, हरीश गुरनानी ने बताया कि उक्त एम.ओ.यू. के अन्तर्गत विश्वविद्यालय द्वारा कृषक प्रशिक्षण कार्यशालाए, कृषि मेला, उन्नत कृषि तकनिकी की जानकारियों से सम्बद्ध कार्यशालाए, जैविक खेती के तरीके, मृदा की सूक्ष्म विविधता, लम्बी अवधि की फसल के तहत मृदा पर जैव उवर्रक प्रभाव, एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन आदि विषयों पर जानकारियां एवं कार्यशालाएं की जायेगी।

Dainik Navajyoti 08-03-2020

# मेवाड़ विश्वविद्यालय ने कृषि क्षेत्र में किया एमओयू

चित्तौड़गढ़ (प्रातःकाल संवाददाता)। मेवाड़ विश्वविद्यालय एवं आई.सी.ए.आर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफसोइल साइंस भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान भोपाल के मध्य एम.ओ.यू. मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग साइन किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के सैद्धांतिक ज्ञान के साथ ही प्रायोगिक ज्ञान एवं प्रशिक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जाता रहा है ताकि विद्यार्थी रोजगार परख ज्ञान अर्जित कर सके। विगत कुछ वर्षों में कई संस्थानों के साथ विश्वविद्यालय ने एम.ओ.यू. साइन किये है। इसी म में विश्वविद्यालय एवं आई.सी.ए.आर इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सोइल साइंस भोपाल के मध्य एम.ओ.यू. साइन किया गया।

Prata Kal 08-03-2020